

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 23 मार्च, 2023

शहीद दविस

वर्ष 1931 से प्रत्येक वर्ष 23 मार्च को पूरे भारत में शहीद दविस मनाया जाता है। यह तीन स्वतंत्रता सेनानियों-**भगत सति, सुखदेव थापर, और शविराम राजगुरु** के बलदिन की याद में मनाया जाता है जिन्होंने ब्रिटिश शासन से आज़ादी के लिये भारत की लड़ाई का नेतृत्व करते हुए अपनी जान न्यौछावर कर दी थी। वर्ष 1931 में ब्रिटिश सरकार द्वारा इन तीन स्वतंत्रता सेनानियों को फाँसी दे दी गई थी। इन तीनों पर आरोप था कि इन्होंने **लाला लाजपत राय** की मौत का बदला लेने के लिये वर्ष 1928 में उप पुलिस अधीक्षक जेपी सॉन्डर्स की हत्या की थी।

और पढ़ें... [शहीद दविस](#)

नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन के लिये अंतरराष्ट्रीय दविस

प्रतिवर्ष 21 मार्च को संयुक्त राष्ट्र नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन के लिये अंतरराष्ट्रीय दविस के रूप में चिह्नित किया जाता है, नस्लभेद के खिलाफ "पास कानून (Pass Law)" हेतु दक्षिण अफ्रीका के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान मार्च 1960 में पुलिस द्वारा किये गए संहार के पीड़ितों की स्मृति में इसे नस्लवाद उन्मूलन दविस भी कहा जाता है। 'पास कानून' दक्षिण अफ्रीका में अश्वेत, भारतीय और वभिन्न नस्ल के लोगों के आंदोलन को न्यितरति करने के लिये इस्तेमाल की जाने वाली प्रणाली थी। इसके अनुसार किसी व्यक्ति को कुछ क्षेत्रों में जाने या रहने की अनुमति होती है और यदि कोई व्यक्ति इन क्षेत्रों के बाहर पाया जाता है तो उसे गरिफ्तार कर लिया जाता था। नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन के लिये अंतरराष्ट्रीय दविस, 2023 की थीम नस्लवाद और नस्लीय भेदभाव का सामना करने की तात्कालिकता पर केंद्रित है। इस दविस का उद्देश्य "नस्लीय भेदभाव और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के खिलाफ खड़े होने वाले व्यक्तियों और संगठनों के योगदान की पहचान करना" है।

और पढ़ें... [नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन के लिये अंतरराष्ट्रीय दविस](#)

वशिव मौसम वजिज्ञान दविस

वशिव मौसम वजिज्ञान संगठन (WMO) की स्थापना के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 23 मार्च को वशिव स्तर पर वशिव मौसम वजिज्ञान दविस मनाया जाता है, जिसकी स्थापना वर्ष 1950 में हुई थी। इस वर्ष WMO की 150वीं वर्षगाँठ है। वशिव मौसम वजिज्ञान दविस 2023 का वषिय "द फ्यूचर ऑफ वेदर, क्लाइमेट एंड वाटर अकरॉस जेनरेशंस" (The future of weather, climate, and water across generations) है। वशिव मौसम वजिज्ञान दविस के लिये चुने गए वषिय सामयिक मौसम, जलवायु और जल से संबंधित मुद्दों को दर्शाते हैं। यह दनि 'समाज की सुरक्षा एवं भलाई में 'राष्ट्रीय मौसम वजिज्ञान तथा हाइड्रोलॉजिकल सर्वसिज्ञ' (NMHS) की आवश्यक भूमिका पर प्रकाश डालता है"। साथ ही यह दनि पृथ्वी के वायुमंडल की रक्षा में उनकी भूमिका के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिये भी मनाया जाता है।

और पढ़ें... [वशिव मौसम वजिज्ञान दविस](#)

शारदा पीठ

हाल ही में गृहमंत्री ने शारदा देवी को समर्पित माता शारदा देवी मंदिर का वर्चुअल कथिा और घोषणा की कि भारत सरकार शारदा-सभ्यता की खोज एवं शारदा-लपि के प्रचार की दशिा में एक महत्त्वपूर्ण कदम के रूप में शारदा पीठ के लिये [करतारपुर-शैली का गलियारा](#) बनाने का प्रयास करेगी। शारदा पीठ एक परति्यक्त हट्टि मंदिर और शक्तिषा का प्राचीन केंद्र है। यह नयितरण रेखा के साथ जम्मू और कश्मीर के कुपवाड़ा ज़िले के तीतवाल गाँव में पाक-अधकृत कश्मीर के नीलम घाटी में स्थित है। यह 18 महाशक्तपीठों में से एक है और इसे हट्टि देवी सरस्वती का नविास माना जाता है। शारदा पीठ कश्मीरी पंडितों के लिये सबसे पूजनीय धार्मिक स्थल है।